इन्दौर समाज की पारिवारिक निर्देशिका का कार्य अंतिम दौर में

इन्दौर गोलालारीय समाज द्वारा पारिवारिक निर्देशिका 2016 का कार्य अंतिम दौर में चल रहा है इस निर्देशिका में इन्दौर के साथ मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र (उज्जैन, देवास, शाजापुर, शुजालपुर, सीहोर, खण्डवा, खरगोन, धार, मंदसौर, रतलाम, नीमच) में निवासरत गोलालारीय परिवारों की पूर्ण जानकारी प्रकाशित की जावेगी । संयुक्त परिवार के प्रत्येक विवाहित सदस्य को पृथक फार्म भरना है ताकि उस सदस्य के ससुराल पक्ष का पूर्ण विवरण प्राप्त हो और सदस्य का सपत्नीक चित्र भी प्रकाशित हो सके । इन्दौर नगर की 10 वर्षों बाद प्रकाशित होने वाली इस निर्देशिका में जो नवीन परिवार इन वर्षों में रहने आए है वे और शिक्षा व व्यवसाय के उद्देश्य से नगर में निवास कर रहे एकल सदस्य भी अपनी प्रविष्टि न्यास कार्यालय 64, न्यू देवास रोड़ या समाज पदाधिकारी तक अवश्य देवे । इन्दौर नगर व मालवा निमाड़ में जो भी परिवार आपके परिचय में है उन्हें इस निर्देशिका की सूचना अवश्य देवें ताकि उनका नाम शामिल किया जा सके । आप अपने परिचित परिवार की सूचना समाज के मोबाइल नंबर 9407453066 (यह फोन चर्चा हेतु उपलब्ध नहीं है) पर एस.एम.एस. या वाट्सएप्प से मैसेज दे सकते है । समाज प्रतिनिधि उनसे संपर्क कर पूर्ण जानकारी प्राप्त कर लेंगे । अधिक जानकारी हेतु संपर्क करे - कोमलचंद जैन 9329524227, बाहुबली जैन 9425903301, राजेन्द्र जैन 9406744064 * जनगणना फार्म www.golalariya.com पर उपलब्ध है ।

अति प्राचीन जैन मंदिरजी के पुर्ननिर्माण हेतु सहयोग की अपील -

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा । जिन शासक प्रभावक एकमात्र जिनालय ही होता है । जिसकी पुनीत छाँव में पाप कालिमा धुल जाती है और स्वर्ग मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है । मंदिर निर्माण एवं मूर्ति विराजमान करने वाले सातिशय पुण्य का अर्जन करते हैं। दसवें तीर्थंकर भगवान शीतलनाथ के गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान चारों कल्याणकों से सुशोभित भद्दलपुर (विदिशा) नगरी के अंचल में स्थित गंज बासौदा के हृदय स्थल गाँधी चौक में 550 वर्ष प्राचीन श्री 1008 श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के जीर्णोद्धार/ पुर्ननिर्माण का कार्य संत शिरोमणी दिगम्बराचार्य परम पूज्य 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद एवं उन्ही के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री 108 अजित सागर जी महाराज एवं पूज्य ऐलक श्री 105 विवेकानन्दसागर जी महाराज की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में प्रगति पर है ।

मंदिर जी में मूलनायक भगवान श्री आदिनाथ जी की अति प्राचीन, अतिशयकारी, मनोज्ञ प्रतिमा एवं भव्य समवशरण विराजित है। मंदिर जी में सोलहवीं, सत्रहवीं एवं अठारहवीं शताब्दी के 535 हस्त लिखित संस्कृत, प्राकृत, अर्द्धमाग्धी, अपभ्रंश व हिन्दी भाषा के ग्रन्थ पूर्व में मंदिर जी के आधार तल में सुरक्षित मिले थे । मंदिर जी में उक्त हस्तलिखित ग्रन्थ व शास्त्रों से परिपूर्ण आचार्य श्री ज्ञानसागर जी ग्रन्थालय है । अभी तक मंदिर जी का दो मंजिल का कार्य पूर्ण हो गया है । वेदी निर्माण व मान स्तम्भ का भी कार्य पूर्ण हो चुका है । फ्लोरिंग का कार्य प्रारम्भ हो चुका है। शिखर,गर्भगृह प्रवेश द्वार,मुख्य प्रवेश द्वार, दीवारों पर लाल पत्थर की प्लेटिंग इत्यादि कार्य होना बाकी है ।

साथ ही गाँधी चौक जैन मंदिर में अभी तक साधु सन्तों के रुकने आदि की व्यवस्था नहीं थी अतः अभी अभी मंदिर समिति ने सर्वसम्मति से मंदिर जी के ठीक सामने 4800 स्का. फीट का एक प्लाट खरीदा है । जिसकी टोकन मनी(ब्याना राशि) दे दी गई है । कुछ समय पश्चात् एक बड़ी राशि देकर रजिस्ट्री कराना बाकी है । इस प्लाट पर भविष्य में संत निवास का निर्माण करने की योजना है ।

यह सभी कार्य आप सभी के आर्थिक सहयोग के बिना सम्भव नहीं है । अतः आप सभी से मंदिर निर्माण समिति निवेदन करती है कि उदार मन से दान राशि प्रदान कर निर्माण कार्य में सहयोग करने की कृपा करे ।

मंदिर समिति के अध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी एडवोकेट द्वारा समय समय पर समाज के विभिन्न नगरों के महानुभावों से सहयोग के लिए अनुरोध करते रहे है । जिससे कई नगरों से दान राशियों की स्वीकृतियाँ प्राप्त हुई है । अभी विगत दिनों श्री पावागिरि जी के वार्षिक मेले में भी समाज के वरिष्ठ जनों से भी आर्थिक सहयोग की अपील की गई थी । जिसमें भी कई महानुभावों द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई है ।

गोलालारीय दर्शन पत्रिका के माध्यम से स्वीकृतियाँ प्रदान करनें वालों महानुभावो को स्मरण दिलाना चाहता हूँ कि शीघ्र अतिशीघ्र अपनी अपनी राशियाँ श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर समिति के बैंक खाता क्रं. 33841016055 भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा गंजबासौदा में जमा कर समिति के 1)अध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी एडवोकेट मो.नं. 94251-50286 व 2) महामंत्री श्री सिद्धार्थ जी भुजंग मो.नं. 98937-79177 को सूचित करे । जिससे आपको दान राशि की रसीद शीघ्र भेजी जा सके।

परम संरक्षक
श्री प्रकाशचन्द-निर्मला जैन, झांसी

आपका जन्म ग्राम टूँका, जिला झांसी में 22 अप्रैल 1940 को हुया । आपकी प्रारंभिक शिक्षा ग्राम में ही हुई। झांसी से स्नातक कर 1962 में लखनऊ विश्वविद्यालय से एल.एल.बी. किया । आपका विवाह 1964 में अहमदाबाद के श्री जगदीशप्रसादजी की सुपुत्री निर्मलादेवी से हुआ । आप तीन बार झांसी समाज के अध्यक्ष रहे है । वर्तमान में भी अध्यक्ष पद को सुशोभित कर रहे है । समाज समिति के अंतर्गत अतिशय क्षेत्र करगुवाँजी, झांसी तथा अतिशय क्षेत्र प्यावलजी जिला दतिया आता है । आप डिवीजन बार एसोसिएशन कमिश्नरी झांसी के अध्यक्ष रहे है । सामाजिक कार्यो के साथ आप धार्मिक कार्यों में विशेष रुप से अपना सहयोग देते है। आपकी धर्मपत्नी श्रीमती निर्मला जैन धार्मिक महिला है, आप मुनिसेवा आहार व अन्य धार्मिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहती है । पुराने मंदिरों के जीर्णोद्धार में आप सहयोग करती रहती है व आप पाँच प्रतिमाधारी है। पूजन स्वाध्याय एवं सामायिक में अपना दैनिक जीवन व्यतीत कर रही है ।

विशेष सहयोगी - मनीष जैन, झाँसी

आपका जन्म 1974 में झाँसी में हुआ। आपके पिताजी एडव्होकेट श्री प्रकाशचंदजी जैन झाँसी जैन समाज के अध्यक्ष है । आप जैन क्लासिक इंस्टीट्यूट झांसी के निदेशक है, जहां प्री इंजीनियरिंग एक्ज़ाम (जेईईई मेन्स एण्ड एडवांस व प्री मेडिकल एक्ज़ाम (एआईआईएमएस व एआईपीएमटी) के लिए गत 20 वर्षों से रसायन विज्ञान विषय पर विद्यार्थियों को तैयारी करवा रहे है । आप भारतीय जनता पार्टी व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े है

नोट - शिरोमणि संरक्षक, परम संरक्षक, संरक्षक व विशेष सहयोगी सदस्यों से सादर अनुरोध है कि वे अपनी जीवन परिचय हमें अतिशीघ्र भेजें ताकि यथायोग्य स्थान होने पर प्रकाशित किया जा सके ।

प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान समारोह सम्पन्न

शान्तिकुमार जैन, गंजबासौदा । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज गंजबासौदा द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन जैनम स्कूल में आयोजित किया गया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री शान्ति कुमार जैन गंजबासौदा, श्री डॉ. अनिल जैन दिवाकीर्ति कार्याध्यक्ष श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज गंज बासौदा द्वारा की गई । अतिथि के रुप में महामंत्री श्री शिखरचन्द जी जैन, कोषाध्यक्ष श्री रमेश जी भण्डारी व पवन जैन (पवन प्रिंटिंग प्रेस) द्वारा की गई इस समारोह में प्रतिभाशाली बच्चों को गोलालारीय दर्शन द्वारा प्रेषित प्रशस्ति पत्र व श्री नन्दन लालजी दिवाकीर्ति की स्मृति में स्मृति चिन्ह उनके पुत्र डॉ. अनिल जैन दिवाकीर्ति द्वारा प्रदान किये गये । इस सफल कार्यक्रम की श्री दिगम्बर जैन समाज गंज बासौदा द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की गई व भविष्य में ऐसे कार्यक्रम होते रहे है, इसकी अपील की गई । कार्यक्रम में श्री डॉ. अनिल जैन द्वारा सभी बच्चों को बधाई दी गई व सभी महानुभाव को नववर्ष की शुभकामनायें दी। श्री शान्तिकुमार जी द्वारा कक्षा 1 से 12 तक के निर्धन बच्चों को स्कूल फीस व पुस्तकें भी प्रदान की जाने की व्यवस्था है, की जानकारी दी गई । इस कार्यक्रम का सफल संचालन श्री अहमेन्द्र जी द्वारा किया गया । व मंगलाचरण बिटिया प्रांशी जैन पिता श्री जितेन्द्र जी जैन गाँधी चौक द्वारा किया गया । कार्यक्रम पश्चात् उपस्थित समाजजनों को अल्पाहार की भी व्यवस्था की गई थी ।